

तारीख
अहकाम
हुक्म की
में जारी

C.No. १०/२०१५ हुनील ग/१ रायपाल

२१/११/१५

पत्रावली पैस हुई वकील श्री अनुपमि
 वकील श्री व श्री को भी उह: ७ ए के ल
 शक रक काली न बार भावप्य लगवारी गरी किचु
 वे अनुपमि ररे हैं, ना ही उनका को ई प्रतिचिह्न
 उप. इमार्हें माला श्री का श्रीका पत्र आदिमि व
 निपम उके तब अउम हापरी अउम पैरवी
 के खाबिद निपम पाए हैं पत्रावली पैसाल
 सुपाए एका नमयके कप हो

